प्रेस विज्ञप्ति

17.10.2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई आंचलिक कार्यालय ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच ऑक्टाएफएक्स के खिलाफ चल रही जाँच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लगभग 2,385 करोड़ रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी के रूप में चल संपत्तियों को कुर्क करने का अनंतिम आदेश जारी किया है। इसके अलावा, मास्टरमाइंड पावेल प्रोज़ोरोव को कई देशों को प्रभावित करने वाले साइबर अपराधों में उसकी संलिप्तता के आधार पर स्पेन के पुलिस अधिकारियों ने स्पेन से गिरफ्तार किया है।

ईडी ने ऑक्टाएफएक्स फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से उच्च रिटर्न का झूठा वादा करके निवेशकों को ठगने के आरोप में कई व्यक्तियों के खिलाफ शिवाजी नगर, पुणे, महाराष्ट्र स्थित पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर पीएमएलए जांच शुरू की।

ईडी की जांच से पता चला है कि ऑक्टाएफएक्स ने जुलाई 2022 और अप्रैल 2023 के बीच भारतीय निवेशकों को लगभग 1,875 करोड़ रुपये की व्यवस्थित ठगी की, जिससे लगभग 800 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। 2019 से 2024 तक कंपनी के संचालन को ध्यान में रखते हुए, भारत से कुल लाभ 5,000 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें से अधिकांश अवैध रूप से विदेशों में स्थानांतरित किया गया है। ऑक्टाएफएक्स ने आरबीआई की अनुमति के बिना खुद को मुद्रा, कमोडिटी और क्रिप्टो ट्रेडिंग के लिए एक ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत किया। शुरुआती निवेशकों को विश्वास बनाने के लिए छोटे-छोटे मुनाफ़े मिले, जैसा कि आमतौर पर एक विशिष्ट पोंजी स्कीम में देखा जाता है। जाँच से यह भी पता चला है कि ऑक्टाएफएक्स एक वितरित वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता था, जिसे नियामक जाँच से बचने और विभिन्न क्षेत्राधिकारों में अवैध धन को जमा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। जाँच से पता चला कि मार्केटिंग गतिविधियाँ ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह (बीवीआई) की संस्थाओं द्वारा संचालित की जाती थीं; स्पेन की संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा सर्वर और बैक-ऑफ़िस संचालन होस्ट किए जाते थे; एस्टोनिया की संस्थाओं द्वारा भुगतान गेटवे प्रबंधित किए जाते थे; जॉर्जिया की संस्थाओं द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की जाती थी; साइप्रस की संस्था भारतीय संस्था के लिए होल्डिंग कंपनी के रूप में कार्य करती थी; दुबई की संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा रूसी प्रमोटरों के माध्यम से भारतीय परिचालन की देखरेख की जाती थी; और सिंगापुर की संस्थाओं द्वारा विदेशों में धन शोधन के लिए फर्जी सेवाओं के निर्यात में सहायता की जाती थी।

ऑक्टाएफएक्स ने फर्जी कैंडलस्टिक चार्ट और जानबूझकर स्लिपेज का इस्तेमाल करके ट्रेडिंग ऑपरेशंस में हेराफेरी की, जिससे निवेशकों को लगातार नुकसान हुआ। ऑक्टाएफएक्स ने ज़्यादा निवेशकों को लुभाने के लिए एक इंट्रोड्यूसिंग ब्रोकर्स (आईबी) स्कीम शुरू की, जिसमें ग्राहकों को रेफ़र करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को ग्राहक की ट्रेडिंग गतिविधि के आधार पर भारी कमीशन की पेशकश की गई। ऑक्टाएफएक्स ने भारतीय ग्राहकों को स्थानीय सहायता प्रदान करने के लिए रूस और स्पेन में भारतीयों को भी नियुक्त किया।

जांच से पता चला कि ऑक्टाएफएक्स ने यूपीआई और स्थानीय बैंक हस्तांतरणों के माध्यम से निवेशकों से धन एकत्र किया, जिसे कई नकली खातों में फैले नकली भारतीय संस्थाओं और व्यक्तियों के खातों के माध्यम से भेजा गया। अनधिकृत भुगतान एग्रीगेटर्स ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में प्रस्तुत होने वाली फर्जी कंपनियों में धन संग्रह और बाहरी लेनदेन को सुगम बनाया, जिससे लेनदेन की वास्तविक प्रकृति को प्रभावी ढंग से छुपाया गया। एग्रीगेटर्स ने इन संस्थाओं को मर्चेंट आईडी और इंटीग्रेशन किट प्रदान किए, जिससे वे वैध वस्तुओं या सेवाओं के लिए भुगतान स्वीकार करने में सक्षम हो गए।

इस प्रकार एकत्रित धनराशि को अंततः सॉफ्टवेयर और अनुसंधान एवं विकास सेवाओं के नकली आयात की आड़ में स्पेन, एस्टोनिया, रूस, हांगकांग, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और यूके में पावेल प्रोज़ोरोव द्वारा नियंत्रित संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिया गया।

बाद में, धनशोधन की गई धनराशि का एक हिस्सा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के रूप में भारत में पुनः लाया गया। गबन की गई धनराशि का उपयोग विलासिता उपभोग, संपत्ति अधिग्रहण,

लक्जरी नौकाओं की खरीद और ऑक्टाएफएक्स के वैश्विक विस्तार के लिए किया गया। इस धनराशि का एक हिस्सा पावेल प्रोज़ोरोव द्वारा नियंत्रित क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में जमा किया गया था।

ईडी ने अब तक 2,681 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति ज़ब्त की है, जिसमें 19 अचल संपत्तियाँ और स्पेन में पावेल प्रोज़ोरोव की एक लग्ज़री यॉट शामिल है। ऑक्टाएफएक्स और 54 अन्य अभियुक्तों/संस्थाओं के ख़िलाफ़ माननीय विशेष न्यायालय (पीएमएलए) में एक अभियोजन शिकायत (पीसी) और एक पूरक पीसी पहले ही दायर की जा चुकी है, जिस पर संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

आगे की जाँच प्रक्रियाधीन है।